

ओ साई बाबा  
जय जय शंकर जय शवि शंकर जय साई गोपाला

जय जय शंकर जय शवि शंकर जय साई गोपाला  
तेरे रुप अनेको बाबा तू गंगा की धारा  
साई बाबा साई बाबा साई बाबा ओ साई बाबा

जय जय शंकर जय शवि शंकर जय साई गोपाला  
तेरे रुप अनेको बाबा तू गंगा की धारा  
साई बाबा साई बाबा साई बाबा ओ साई बाबा

तेरे नीम की मीठी छाया ओ  
लाखों भक्तों ने सुख पाया ओ  
बाबा के कलश का जल जो पीते  
दुख उनको फरि कभी ना छूते  
लेके वभूति अंग लगा ले  
हो जा तू मतवाला  
साई बाबा साई बाबा साई बाबा ओ साई बाबा

एक भक्त की घोड़ी खो गई  
बाबा से पूछा पल में मलि गई  
मरते मरते वैघ वो आया  
माफी माँगी जन्दिगी पायी  
तू भी उसकी शरण में आज  
बाबा तुझे बुलाता  
साई बाबा साई बाबा साई बाबा ओ साई बाबा

आयी दीवाली रोयी वो बटिया  
बाबा ने कर दी जगमग कुटिया  
पानी तेल में बदल गया था ओ  
फूलों से आँगन महक गया था  
बाबा का जादू तू भी देख ले  
बोल जोर से बाबा  
साई बाबा साई बाबा साई बाबा ओ साई बाबा

परपवत से एक साधु आया  
साई को ढोंगी बतलाया  
बृहमरुप देखा बाबा का  
अभिमिनी साधु पछताया  
पाँव पकड़ कर रोने लगा वो  
कहने लगा साई बाबा  
साई बाबा साई बाबा साई बाबा ओ साई बाबा

रोज करश्मे आज भी होते

बाबा की हंडी आज भी तपती  
वर्षो से धूनी आज भी जलती  
आज भी बाबा जाग रहा है  
बाबा तुझे बुलाता  
सांई बाबा सांई बाबा सांई बाबा ओ सांई बाबा

जय जय शंकर जय शवि शंकर जय सांई गोपाला  
तेरे रुप अनेको बाबा तू गंगा की धारा  
सांई बाबा सांई बाबा सांई बाबा ओ सांई बाबा